रांची एक्सप्रेस

Google दवारा विज्ञापन ▶ Hindi news paper ▶ Ranchi express ▶ Express newspaper ▶ News political

Search

Honor 4X Smartphone

13MP Rear & 5MP Front Camera Limited stock. Order now!

Home » Features » 20 March 2015 »

अपना मोबाइल नंबर देने से पहले आपको क्यों सोचना चाहिए

इस बार महिला दिवस पर, एंटी-वायरस और कंटेन्ट सिक्योरिटी सॉल्युशन प्रदान करने वाले प्रमुख नाम ईस्कैन ने महिलाओं को अपना मोबाइल नंबर कहीं देने से पहले एक बार सोचने के लिए सावधान किया है।

इस डिजिटल युग में, हमारे पास बेहद चर्चित क्रॉस-मोबाइल मेसेजिंग प्लेटफॉर्म वाट्सएप मौजूद है जिसके पास 70 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। पूरी दुनिया में लोग इसके जरिये 3000 करोड़ संदेश रोजाना भेजते हैं। फेसबुक द्वारा इसके अधिग्रहण के बाद भी इस मोबाइल मेसेजिंग सेवा का उपयोग बढ़ता ही जा रहा है और इसके उपयोगकर्ताओं की संख्या ट्विटर के 28.4 करोड़, इंस्टाग्राम के करीबन 30 करोड़ और खुद फेसबुक के कुल उपयोगकर्ताओं की संख्या से भी अधिक है। इस लोकप्रियता ने विभिन्न प्रचार गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया है जो मुख्य रूप से वाट्सएप उपयोगकर्ताओं को टार्गेट करते हैं। वाट्सएप बल्क मार्केटिंग सर्विस इस एप का इस्तेमाल करने वाले सैकड़ों हजारों यूजर्स को बड़ी संख्या में वाट्सएप टेक्स्ट/चित्र संदेश भेजने का वादा करती है। इस सर्विस को एक लोकप्रिय प्लेटफॉर्म माना जाता है जो उपयोगकर्ताओं को एक दूसरे से सम्पर्क करने की सुविधा देती है, इस बात को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक कंपनियां अपने टार्गेट ग्राहक वर्ग तक पहुंचने के लिए इस सेवा को चुनने लगी हैं। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सवाल होना चाहिए कि- क्या वाट्सएप उपयोगकर्ताओं की जानकारी बेचना है?

एक इंटरव्यू में, जैन कुम, जिन्होंने ब्रायन एक्टन के साथ मिलकर वाट्सएप की शुरूआत की, ने बताया कि यह मेसेजिंग सेवा अपने उपयोगकर्ताओं की काफी कम जानकारी इकट्ठा करती है। यह मुफ्त एप उपयोगकर्ता का ई-मेल पता नहीं पूछता और ना ही इसके लिए कोई वास्तविक साइन अप की जरूरत होती है। अन्य दूसरी चीजें जो वाट्सएप इकट्ठा नहीं करता है घर का पता, जीपीएस लोकेशन, आपकी पसंद और सर्च हिस्ट्री। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि वाट्सएप द्वारा कोई भी डाटा कभी भी जमा कर स्टोर नहीं किया गया और उपयोगकर्ता की जानकारी जमा कर स्टोर करने की उनकी कोई योजना भी नहीं है। वाट्सएप ने तो लाखों उपयोगकर्ताओं को भेजे जाने वाले संदेशों को इन्क्रिप्ट भी कर दिया है ताकि इन्हें हैक या फिर इनकी निगरानी ना हो सके। अगर खुद वाट्सएप अपने उपयोगकर्ताओं की जानकारी इकट्ठा नहीं कर रहा है- तो फिर ऐसी कंपनियों को मोबाइल नंबरों का डाटा बेस कहां से मिलता है जिसमें लाखों वाट्सएप उपयोगकर्ताओं के नंबर होते हैं?

चलिए उन मौकों को देखते हैं जब हम अपना नंबर देते हैं :

हम जरूरत से अधिक अपना मोबाइल नंबर बांटते हैं :

– जब भी हम कोई फॉर्म भर रहे होते हैं तो हम सब में कई यहां अपना मोबाइल नंबर देने में नहीं हिचकिचाते- फिर चाहे यह कोई लकी ड्रॉ हो, एक साइन अप फॉर्म हो, कॉन्टेस्ट एंट्री हो, वारंटी रजिस्ट्रेशन हो या फिर सोशल नेटवर्किंग प्रोफाइल के लिए हो। हममें से कई तो ईमेल के हस्ताक्षर में भी अपना नंबर देते हैं। ऐसी स्थितियों में , काफी हद तक संभव है कि हमारा मोबाइल नंबर किसी और के हाथ लग जाए।

हममें से अधिकतर कोई भी एप इन्सटॉल करते तक 'उपयोग की शर्तें (ढशीाी ेषर् ीीश) को स्वीकार यानि एक्सेप्ट कर लेते हैं :

– मोबाइल 'उपभोक्ता की शर्तें' ('ढशीाी ेषर् ीीश') पढ़े या समझे बिना ही उन्हें स्वीकार कर लेते हैं। कुछ ऐप्स जैसे कि फ्लैशलाइट एप या लगभग सभी गेमिंग एप्स को उपयोगकर्ता के कॉल लॉग्स या कॉन्टेक्ट लिस्ट भी देखने की जरूरत नहीं होती। हालांकि हम इसके बारे में नहीं सोचते कि जब हम यह कहते हैं 'हां, मुझे स्वीकार है' (धशी, ख रललशिर् ीीश') तो दरअसल, हम काफी जानकारियां प्रदान कर रहे हैं।

डेटिंग वेबसाइट्स पर मोबाइल नंबर देना :

मोबाइल उपयोगकर्ता डेटिंग और रोमांस वेबसाइट्स पर साइन अप के दौरान आसानी से अपना मोबाइल नंबर दे देते हैं। कई बार तो हममें से कई भावनाओं में बहकर ऐसी साइट्स पर अन्य जानकारियां भी दे देते हैं।

सोशल मीडिया साइट्स :

– सोशल नेटवर्किंग साइट्स उपयोगकर्ताओं के फोन नंबर और ईमेल पते दर्शाती हैं। यह एक अन्य जरिया है जिससे कंपनियों को आपका मोबाइल नंबर हासिल होता है। कुछ समय पहले, फेसबुक ने यह स्वीकार किया है कि उसके सदस्यों के 60 लाख से अधिक फोन नंबर लगभग एक साल तक लीक होते रहे हैं। हालांकि, फेसबुक ने इसके लिए तकनीकी खराबी को दोष दे दिया।

प्रोडक्ट वारंटी कार्ड्स :

– जब कोई उपभोक्ता किसी नए प्रोडक्ट को खरीदने के लिए आनलाइन रजिस्टर करता/करती है, तो उसे अपना कॉन्टेक्ट नंबर, नाम, पता और ईमेल दर्ज करना होता है, जिसे बाद में मार्केटिंग कंपनियों और डाटा कलेक्शन ब्रोकर्स को बेचे जाने की संभावना होती है।

आपके मोबाइल नंबर के इस लीकेज को नियंत्रित करने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के लिए ईस्कैन कुछ सुझाव देता है :

– कभी भी अपना फोन नंबर बताने के लिए जल्दबाजी ना करें। एक बार खुद से पूछ लें कि क्या नंबर देना वाकई जरूरी है। हो सकता है कि सिर्फ आपके ईमेल एड्रेस से ही काम चल जाए।

– किसी कॉन्टेस्ट या लकी ड्रा में रजिस्टर करते वक्त सावधान रहें। वहां दी गई जानकारी और कॉन्टेस्ट के निमयों को ध्यान से पढ़ें जिसमें आपको यह बताया गया होगा कि कॉन्टेस्ट आयोजक आपकी जानकारी दूसरी कंपनियों को बेचेंगे या नहीं।

– वेबसाइट्स पर रजिस्टर करते वक्त सावधान रहें। एक बार खुद से पूछें कि क्या वेबसाइट रजिस्ट्रेशन के लिए वाकई फोन नंबर की जरूरत है।

अपने स्मार्टफोन पर को एप डाउनलोड करते वक्त, उस एप की प्राइवेसी पॉलिसी पढ़ें और एप को इंस्टॉल करने से पहले उसकी सही जानकारी हासिल करें। जैसा कि हमने पहले बताया कि कुछ एप्स जैसे फ्लैशलाइट एप को आपके कॉल लॉग्स और कॉन्टेस्ट लिस्ट देखने की कोई जरूरत नहीं होती।

ईस्कैन के बारे में :
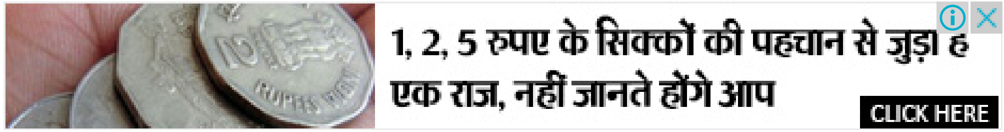
ईस्कैन, डेस्कटॉप, स्मार्टफोन और सर्वर के लिए एंटी-वायरस और कंटेन्ट सिक्योरिटी सॉल्युशन प्रदान करनेवाले प्रमुख ब्रांड्स में से एक है, जिसे माइक्रोवर्ल्ड द्वारा विकसित किया व बेचा जाता है। इसमें नई व भविष्य की तकनीक मौजूद है जैसे एमवीएल टेक्नोलॉजी, डी.आई.आर.सी. टेक्नोलॉजी, एन.आई.एल.पी. टेक्नोलॉजी, और कुशल एंटी वायरस ह्यूरिस्टिक एल्गोरिदम जो कि ना सिर्फ वर्तमान के खतरों से बचाव करते हैं, बल्कि नए विकसित होते खतरों के लिए भी पहले से सुरक्षा प्रदान करते हैं। ईस्कैन 24द7 फ्री रिमोट सपोर्ट सुविधा प्रदान करता है, जो कि सॉफ्टवेयर में ही शामिल होती है और ग्राहकों को सबसे कम समय में तेजी से मॉलवेयर संबंधी समस्याएं सुलझाने में मदद करती है। इसने कुछ सर्वाधिक प्रतिष्ठित जांच संस्थाओं से विभिन्न प्रमाणपत्र और पुरस्कार प्राप्त किए हैं, इनमें से प्रमुख हैं ए.बी. कंपेयरेटिव्स, वायरस बुलेटिन, ए.बी. टेस्ट, आई.सी.एस.ए, और पी.सी.एस.एल. लैब्स। विभिन्न नई तकनीकों की शक्ति को एक साथ मिलाकर ईस्कैन डिजिटल उपकरणों और नेटवर्क को मल्टी-लेवल रियल-टाइम प्रोटेक्शन प्रदान करता है। अधिक जानकारी के लिए, वेबसाइट देखें ु.शीलरपरीं.लो.